



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 635] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 26, 1993/कार्तिक 4, 1915
No. 635] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 26, 1993/KARTIKA 4, 1915

गृह मन्त्रालय

अधिमूचना

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1993

का. आ. 818(अ) - पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पूर्वी क्षेत्र) जिसे सामान्यतः पी एल ए के रूप में जाना जाता है, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी आफ कागलीपक (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रेषक कहा गया है) और उसकी "रेड आर्मी" तथा प्रेषक के उपदलों, जैसे कागलीपक कम्युनिस्ट पार्टी और उसके सशस्त्र विंग, जो "रेड आर्मी" भी कहलाता है और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जिसे इसमें इसके पश्चात् सामूहिक रूप से मैनेयी उग्रवादी संगठन कहा गया है) में :—

(i) मणिपुर राज्य का मिलाकर एक स्वतंत्र मणिपुर के गठन के अपने उद्देश्य को खलकर घोषणा की है और "भारत मध" में उक्त राज्य के अध्यापन करने के अपने उद्देश्य के अनुसरण में हिंसात्मक क्रियाकलापों का आश्रय लिया है ,

(ii) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य का प्राप्ति करने के लिए सशस्त्र बलों, अर्थात् तथाकथित पीपुल्स लिबरेशन

आर्मी, रेड आर्मी, उनके सदस्यों और उनके द्वारा स्थापित अन्य निकायों को नियोजित कर रहे हैं ,

(iii) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य को अनुसर करने में सुरक्षा बलों और निवृत्त सशस्त्र और मणिपुर राज्य के नागरिकों पर आक्रमण करने के लिए उक्त सशस्त्र बलों और सदस्यों को नियोजित कर रहे हैं और अपने संगठनों के लिए निधि एकत्र करने के लिए सिविलियन जनसंख्या के विरुद्ध लूट और अभिद्रोह के कार्यों में लगे हुए हैं ;

(iv) अपने पूर्वोक्त उद्देश्य को प्राप्ति करने के प्रयोजन के लिए शस्त्र और प्रशिक्षण के द्वारा सहायता पाने के लिए विदेशों से अपने सम्पर्क बनाने के कुछ प्रयास किए हैं ,

और केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से मैनेयी उग्रवादी संगठन और उनके द्वारा गठित अन्य निकाय जिसमें उपरोक्त नामित सशस्त्र संगठन सम्मिलित हैं, विधि विरुद्ध संगठित हैं

और केन्द्रीय सरकार की आगे यह राय है कि मैतेयी उग्रवादी संगठन के सशस्त्र समूहों और सदस्यों द्वारा मृत्यु बलों और सिविलियन जनसंख्या पर हिंसा और आक्रमण के कार्यों के बार-बार जारी रहने और चलते रहने के कारण मैतेयी उग्रवादी संगठनों और उनके द्वारा गठित अन्य निकायों को जिनमें उपरोक्त नामित सशस्त्र समूह सम्मिलित हैं, तात्कालिक प्रभाव से विधि विरुद्ध घोषित करना आवश्यक हो गया है।

अतः केन्द्रीय सरकार विधि विरुद्ध विचारधारा (विचारधारा) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पूर्वी क्षेत्र), पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी आफ कांगलीपक और उसकी रेड आर्मी, तथा ऐवक के उपदलों जैसे कांगलीपक कम्युनिस्ट पार्टी और उसके सशस्त्र विंग जिसे रेड आर्मी भी कहा जाता है और उनके द्वारा स्थापित अन्य निकायों को और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट को विधि विरुद्ध संगत घोषित करता है और उस धारा की उपधारा (3) के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि यह अधिसूचना, ऐसे किसी आदेश के अधीन रहते हुए जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए। राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा. सं. -- 8/23/93-एन. ई. -- I]

सुबीर दत्त, संयुक्त सचिव (उत्तर पूर्व)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 26th October, 1993

S.O. 818(E).—Whereas the People's Liberation Army (Eastern Region), generally known as the PLA, the People's Revolutionary Party of Kangleipak (hereinafter referred to as PREPAK) and its 'Red Army' as also the offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the 'Red Army' and the United National Liberation Front (hereinafter collectively referred to as the Meitei Extremist Organisations)—

- (i) have openly declared as their objective the formation of an independent Manipur comprising the State of Manipur and have resorted to violent activities in pursuance of their objective to bring about cession of the said State from the 'Union of India' ;
- (ii) have been employing armed forces, namely, the so-called People's Liberation Army, the Red Army their members and the other bodies set up by them, to achieve their aforesaid objective ;
- (iii) have in furtherance of their aforesaid objective been employing the said armed forces and members in attacking the Security Forces and the Civil Government and the citizens in the State of Manipur, and indulging in acts of looting and intimidation against the civilian population for collection of funds for their organisations ;
- (iv) have made some efforts to resume their contacts with foreign countries for securing assistance by way of arms and training for the purpose of achieving their aforesaid objective ;

And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the Meitei Extremist organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above, are unlawful associations ;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the repeated continuing and ongoing acts of violence and attacks by armed groups and members of the Meitei Extremist Organisations on the security forces and on the civilian population, it is necessary to declare the Meitei Extremist organisations and other bodies set up by them, including the armed groups named above, to be unlawful with immediate effect :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the People's Liberation Army (Eastern Region), People's Revolutionary Party of Kangleipak and its Red Army as also offshoots of PREPAK like the Kangleipak Communist Party and its armed wing also called the Red Army and other bodies set up by them and the United National Liberation Front to be unlawful associations, and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 8/23/93-NE.-I]

SUBIR DUTTA, Jt. Secy.
(North East)